कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

अर्थशास्त्र (स्नातकोत्तर)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's Mission & Objectives)- इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है - ' शिक्षा आपके द्वार'। यह उन लोगों को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ती है, जो लोग व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक व भौगोलिक जैसे कई कारणो से उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर सके है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ आज के आधुनिक युग मे भी परम्परागत (संस्थागत) शिक्षा व्यवस्था का अभाव पाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य- स्नात्कोत्तर उपाधि कार्यक्रम में चयनित शिक्षार्थीयों में अर्जित दक्षता द्वारा ज्ञान और कर्म-कौशल का विस्तार, बेहतर ज्ञान और कर्म कौशल के आधार पर वांछनीय सामाजिक उपयोगिता का सूत्रपात, भावी विशेषज्ञ के अध्ययन की भूमिका का निर्धारण कराना, अखिल भारतीय और उत्तराखण्ड प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास और बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगार परक स्थितियों का उन्नयन करना हैं। इसके साथ-साथ विविध गैर-सरकारी संगठनों में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं के लिए उपयोगी तथा विश्व बैंक सहित विविध अन्तराष्ट्रीय संगठनो के लिये परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण कराना हैं।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals)- इस कार्यक्रम के द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी में विभिन्न कलाओं, शिल्पों व कुशलताओं आदि में विस्तार किया जाता है ताकि वे अर्जित की गई विभिन्न कलाओं, शिल्पों व कुशलताओं के द्वारा रोजगारपरक बनते है। इसके साथ-साथ यह कार्यक्रम उन मानव संसाधनों के लिए एकमात्र साधन है, जो रोजगार करने के साथ-साथ अपनी उच्च शिक्षा व कुशलताओं का विकास करना चाहते है। यह कार्यक्रम उन शिक्षार्थीयो के लिये महत्वपूर्ण है जो शिक्षार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा व अनुसंधान के लिए न्यूनतम अर्हता प्राप्त करना चाहते हैं।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of Prospective target Group of Learners)- इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो विभिन्न व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक व भौगोलिक कारणो से उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर सके है एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा ना केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते है।

मुक्त एवम दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्ता (Appropriateness of Programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी अर्थशास्त्र में स्नातक होने के उपरान्त अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। अनुसंधान करने के लिए योग्य हो

जाता है। अर्थशास्त्र के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी देश व विदेश की अर्थव्यवस्था के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। एक कुशल अर्थशास्त्री के तौर पर समाज में अपनी सेवाऐं प्रदान कर सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- अर्थशास्त्र विषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 8 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं; अत: प्रत्येक शिक्षार्थी को स्नात्कोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान 9 प्रश्न-पत्र मे 72 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते है। प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम तीन और अधिकतम पांच इकाईयां हैं। स्नात्कोत्तर स्तर के प्रथम वर्ष में चार प्रश्न-पत्र- व्यष्टि अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था और परिमाणात्मक विधियाँ हैं। और द्वितीय वर्ष में कुल दस प्रश्न-पत्र हैं, जिनमें से तीन प्रश्न-पत्र (आर्थिक विकास, सार्वजनिक अर्थशास्त्र और अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र) अनिवार्य हैं और सात प्रश्न-पत्र (कृषि अर्थशास्त्र, जननांकिकी, श्रम अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, सामाजिक अनुसंधान और प्रोजेक्ट कार्य एवं मौखिकी) वैकल्पिक है। शिक्षार्थी को जिनमे से केवल दो प्रश्न-पत्रों का अध्ययन करना होता हैं। स्नात्कोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छ: वर्ष है। अर्थशास्त्र संकाय के लिए सहायक अकादमिक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

एम0ए0 प्रथम वर्ष	
प्रथम प्रश्न-पत्र- व्यष्टि अर्थशास्त्र (एमएईसी -101)	**द्वितीय प्रश्न-पत्र- समष्टि अर्थशास्त्र (एमएईसी -102)**
खण्ड 1- परिचय	**खण्ड 1- परिचय**
इकाई 1- आर्थिक सिद्धान्त का स्वरूप	इकाई 1- समष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति और तकनीक
इकाई 2- व्यष्टिपरक अर्थशास्त्र तथा समष्टिपरक अर्थशास्त्र	इकाई 2- समष्टि स्थैतिक और समष्टि गतिकी
इकाई 3-आर्थिक स्थैतिकी, प्रावैगिकी तथा सामान्य संतुलन विश्लेषण	इकाई 3- समष्टि अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाएं
खण्ड 2- उपभोक्ता व्यवहार 1	**खण्ड 2- राष्ट्रीय आय**
इकाई 4- गणनात्मक तुष्टिगुण विश्लेषण	इकाई 4- राष्ट्रीय आय की अवधारणा एवं परिभाषा
इकाई 5- माँग एवं पूर्ति नियम	इकाई 5- राष्ट्रीय आय की संरचना
इकाई 6- माँग एवं पूर्ति की लोच	इकाई 6- राष्ट्रीय आय का मापन एवं समस्या
इकाई 7- उपभोक्ता बचत	इकाई 7- राष्ट्रीय आय का सामाजिक लेखांकन एवं कल्याण
खण्ड 3- उपभोक्ता व्यवहार 2	**खण्ड 3- समष्टि आर्थिक सिद्धान्त**
इकाई 8- अनधिमान वक्र विश्लेषण	इकाई 8- क्लासिकल सिद्धान्त
इकाई 9- आय प्रभाव, प्रतिस्थापन तथा कीमत प्रभाव	इकाई 9- केन्सीयन सिद्धान्त
इकाई 10- अनधिमान वक्रों का अनुप्रयोग	इकाई 10- उपभोग फलन
इकाई 11- उद्घाटित अधिमान विश्लेषण	इकाई 11- निवेश फलन
खण्ड 4- उत्पादन के सिद्धान्त और लागत एवं आगम वक्र	**खण्ड 4- निवेश, गुणक और त्वरक**
इकाई 12- लागत वक्र विश्लेषण	इकाई 12- निवेश फलन
इकाई 13- आगम वक्र विश्लेषण	इकाई 13- गुणक का सिद्धान्त
	इकाई 14- त्वरक का सिद्धान्त

इकाई 14- उत्पादन का सिद्धान्तः एक परिवर्तनशील साधन में उत्पादन इकाई 15- उत्पादन का सिद्धान्तः दो परिवर्तनशील साधन में उत्पादन इकाई 16- अनुकूलतम साधन संयोग **खण्ड 5- फर्म का सिद्धान्त: कीमत और उत्पादन निर्धारण** इकाई 17- बाजार संरचना एवं फर्म का संतुलन विश्लेषण इकाई 18- पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 19- एकाधिकार में कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 20- एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता अथवा अपूर्ण प्रतियोगिता में कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 21- अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण का सिद्धान्त **खण्ड 6- साधन कीमत निर्धारण सिद्धान्त** इकाई 22- साधन कीमत निर्धारण पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत इकाई 23- साधन कीमत निर्धारण अपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत इकाई 24- मजदूरी का निर्धारण इकाई 25- रिकार्डो का लगान का सिद्धान्त और आर्थिक लगान इकाई 26- ब्याज का सिद्धान्त इकाई 27- लाभ का सिद्धान्त **खण्ड 7-कल्याणकारी अर्थशास्त्र** इकाई 28- कल्याणकारी अर्थशास्त्र और पीगू की अवधारणा इकाई 29- पेरेटो का कल्याणकारी अर्थशास्त्र इकाई 30- नवीन कल्याणकारी अर्थशास्त्र इकाई 31- सामाजिक कल्याण फलन	इकाई 15- विदेश व्यापार गुणक **खण्ड 5- ब्याज और मुद्रा** इकाई 16- मुद्रा की प्रकृति, कार्य और पूर्ति इकाई 17- ब्याज का प्रतिष्ठित तथा ऋण योग्य कोष सिद्धान्त इकाई 18- कीन्स का मुद्रा माँग तथा ब्याज दर का सिद्धान्त इकाई 19-IS-LM वक्र प्रारूप इकाई 20- मुद्रा की माँग का कीन्सोत्तर सिद्धान्त **खण्ड 6- कीमत और स्फीति** इकाई 21- मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त फिशर व कैम्ब्रिज इकाई 22- मिल्टन फ्रीडमैन का मुद्रा परिमाण का आधुनिक सिद्धान्त इकाई 23- मुद्रा स्फीति के सिद्धान्त,प्रभाव एवं नियंत्रण इकाई 24- मुद्रा स्फीति एवं बेरोजगारी **खण्ड 7- समष्टि आर्थिक नीतियाँ** इकाई 25- मौद्रिक नीति के यंत्र इकाई 26- विकासशील देशों में मौद्रिक नीति की भूमिका इकाई 27- राजकोषीय नीति के यंत्र इकाई 28- विकासशील देशो में राजकोषीय नीति की भूमिका **खण्ड 8- आर्थिक उच्चावचन के सिद्धान्त** इकाई 29- व्यापार-चक्र , व्यापार-चक्र का मौद्रिक सिद्धान्त इकाई 30- गुणक-त्वरक अन्तर्क्रिया एवं सैम्युल्सन का व्यापार-चक्र सिद्धान्त इकाई 31- हिक्स का व्यापार-चक्र सिद्धान्त इकाई 32- काल्डॉर का व्यापार-चक्र सिद्धान्त
तृतीय प्रश्न-पत्र- भारतीय अर्थव्यवस्था (एमएईसी -103) **खण्ड 1- भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना** इकाई 1- भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं इकाई 2- राष्ट्रीय आय और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई 3- जनसंख्या एवं मानवीय संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई 4-प्राकृतिक संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई 5- अधो-संरचना और भारतीय अर्थव्यवस्था **खण्ड 2- पंचवर्षीय योजना एवं आर्थिक विकास की समस्याएं** इकाई 6- आर्थिक नियोजन की प्रासंगिकता एवं योजना निर्माण प्रकिया इकाई 7- आर्थिक नियोजन की उपलब्धियाँ (ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना तक) इकाई 8- गरीबी इकाई 9- बेरोजगारी	**चतुर्थ प्रश्न-पत्र- परिमाणात्मक विधियाँ (एमएईसी -104)** **खण्ड 1- आर्थिक गणितीय विधियाँ –I** इकाई 1- वास्तविक अंक प्रणाली एवं समुच्चय इकाई 2- फलन और आर्थिक सिद्धान्त में अनुप्रयोग इकाई 3- अवकलन: निर्वचन एवं नियम इकाई 4- लघुगुणकीय अवकलन , आंशिक अवकलन एवं आर्थिक प्रयोग **खण्ड 2- आर्थिक गणितीय विधियाँ –II** इकाई 5- समाकलन: अवधारणा एवं निर्वचन इकाई 6- समाकलन का आर्थिक प्रयोग इकाई 7- आव्यूह (मैट्रिक्स) इकाई 8- सारणिक **खण्ड 3- आर्थिक गणितीय विधियाँ -III** इकाई 9- आगत-निर्गत सारणी विश्लेषण इकाई 10- रैखिक प्रोग्रामिंग इकाई 11- अनुकूलतम समीकरण: निर्वचन एवं प्रयोग

इकाई 10- समानान्तर अर्थव्यवस्था
खण्ड 3- भारतीय कृषि - 1
इकाई 11- भारतीय कृषि की प्रकृति एवं महत्व
इकाई 12- कृषि आगत
इकाई 13- भूमि सुधार एवं नवीन कृषि रणनीति
इकाई 14- कृषि/ग्रामीण वित्त एवं कृषि विपणन
खण्ड 4- भारतीय कृषि - 2
इकाई 15- कृषि मूल्य नीति, खाद्य सहायता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली
इकाई 16- भारतीय कृषि और विश्व व्यापार संगठन
इकाई 17- भारतीय कृषि आयकर और कृषि श्रम
खण्ड 5- भारतीय औद्योगिक संरचना
इकाई 18- औद्योगिक विकास एवं नीतियाँ
इकाई 19- सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
इकाई 20- लघु क्षेत्र उद्यम
इकाई 21- भारी उद्योग एवं औद्योगिक समस्याएं
खण्ड 6- राजस्व एवं वैत्तिक क्षेत्र
इकाई 22- भारतीय लोक वित्त
इकाई 23- केन्द्र और राज्यों के मध्य वित्तीय सम्बन्ध
इकाई 24- भारतीय मौद्रिक प्रणाली
इकाई 25- भारतीय मौद्रिक क्षेत्र संरचना
खण्ड 7- विदेशी व्यापार क्षेत्र
इकाई 26- भारत का विदेशी व्यापार
इकाई 27- भारत का भुगतान संतुलन
इकाई 28- भारत की व्यापार नीति
इकाई 29- भारत का विदेशी व्यापार एवं विश्व व्यापार संगठन

इकाई 12- द्विघात समीकरण
खण्ड 4- आँकड़ों के संकलन एवं प्रस्तुतीकरण
इकाई 13- आँकड़ों के संकलन की विधियाँ, आँकडों का संपादन एवं वर्गीकरण
इकाई 14- आँकडों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-बिन्दुरेखीय
इकाई 15- आँकडों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ- चित्रमय
खण्ड 5- अंतर सम्बन्धी अवधारणा
इकाई 16- संगामी उत्पादन फलन और प्रमेय
इकाई 17- कॉब डगलस उत्पादन फलन
इकाई 18- द्वितीय चरण अंतर सम्बन्धी समीकरण
खण्ड 6- केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, अपकिरण, विषमता, परिघात तथा पृथुशीर्षत्व
इकाई 19- केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें
इकाई 20- अपकिरण तथा उसकी मापें
इकाई 21- विषमता
इकाई 22- परिघात तथा पृथुशीर्षत्व
खण्ड 7- आंकडों का विश्लेषण :प्रतीपगमन एवं सहसम्बन्ध
इकाई 23- द्विचर आंकडों का विश्लेषण - प्रतीपगमन विश्लेषण
इकाई 24- सहसम्बन्ध विश्लेषण
इकाई 25- अन्तरगणन एवं बाह्यगणन
खण्ड 8- सूचकांक, प्रतिचयन, प्रायिकता एवं द्विपद प्रमेय
इकाई 26- सूचकांक
इकाई 27- प्रतिचयन के सिद्धान्त और कालश्रेणी विश्लेषण
इकाई 28- प्रायिकता के सिद्धान्त
इकाई 29- द्विपद प्रमेय

एम0ए0 द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न-पत्र- आर्थिक विकास (एमएईसी- 105)

खण्ड 1- आर्थिक विकास- अवधारणा, मापन एवं प्रवृत्तियाँ
इकाई 1- आर्थिक वृद्धि एवं विकास की अवधारणा
इकाई 2- आर्थिक विकास का मापन
इकाई 3- अल्पविकसित देश- आशय एवं विशेषताएँ
इकाई 4- विकास के निर्धारक घटक एवं अवस्थाएँ
खण्ड 2- आर्थिक विकास के प्रारूप 1
इकाई 5- प्रतिष्ठित विकास प्रारूप- एडम स्मिथ, रिकार्डो
इकाई 6- मार्क्स का विकास प्रारूप
इकाई 7- शुम्पीटर का विकास प्रारूप
इकाई 8- हैरोड-डोमर का विकास प्रारूप
खण्ड 3- आर्थिक विकास के प्रारूप 2
इकाई 9- सोलो का विकास प्रारूप

द्वितीय प्रश्न-पत्र- सार्वजनिक अर्थशास्त्र (एमएईसी - 106)

खण्ड 1- परिचय
इकाई 1- अर्थव्यवस्था में राज्य की आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण
इकाई 2- लोक वित्त का क्षेत्र, प्रकृति एवम महत्व
इकाई 3- लोक वित्त की अवधारणाएं और बाजार असफलता
इकाई 4- निजी वस्तु, लोक वस्तु और मेरिट वस्तु एवं सिद्धान्त
खण्ड 2- लोक व्यय
इकाई 5-लोक व्यय: उद्देश्य, आवंटन वितरण और स्थिरीकरण
इकाई 6-लोक व्यय के नियम- वैगनर एवं वाइजमैन-पीकॉक
इकाई 7-लोक व्यय का प्रभाव- उत्पादन, वृद्धि, वितरण और स्थिरीकरण
इकाई 8-कार्यात्मक वित्त

इकाई 10- जे0 ई0 मीड का विकास प्रारूप इकाई 11- जॉन-रॉबिन्सन का विकास प्रारूप खण्ड 4- विकास की सन्तुलित एवं असन्तुलित व्यूहनीति इकाई 12- हार्वे लीबिन्सटीन का आवश्यक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त इकाई 13- नेल्सन का निम्न स्तर सन्तुलन पाश विश्लेषण इकाई 14- रोजेन्सटीन का बड़े धक्के का सिद्धांत इकाई 15- सन्तुलित एवं असन्तुलित वृद्धि का सिद्धान्त खण्ड 5- द्विदैतवाद विकास प्रारूप इकाई 16- सामाजिक एवं तकनीकी द्वैतवाद विश्लेषण इकाई 17- आर्थर लेविस का असीमित श्रमपूर्ति विश्लेषण इकाई 18- फाई एवं रेनिस विकास प्रारूप इकाई 19- एच0 मिन्ट एवं गुन्नार मिर्डल का अल्प विकास विश्लेषण खण्ड 6- संसाधन एवं विकास इकाई 20- पूँजी निर्माण एवं आर्थिक विकास इकाई 21- मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास इकाई 22- अधो संरचना एवं आर्थिक विकास इकाई 23- पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं आर्थिक विकास खण्ड 7- विकास के क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य इकाई 24- कृषि क्षेत्र एवं आर्थिक विकास इकाई 25- औद्योगिक क्षेत्र और आर्थिक विकास इकाई 26- सरकारी संस्थान, बाजार और आर्थिक विकास इकाई 27- गरीबी के संकेतक तथा प्रमाप खण्ड 8- भारत में नियोजन इकाई 28- नियोजन की तकनीकी का चुनाव तथा उपयुक्त तकनीकी विनियोग कसौटी, लागत और लाभ विश्लेषण इकाई 29- भारत में नियोजन तकनीकी, भारत के नियोजन मॉडल, बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में नियोजन इकाई 30- महालोबिस विकास प्रारूप	खण्ड 3- लोक राजस्व एवं बजटिंग इकाई 9- करारोपण के सिद्धान्त एवं वर्गीकरण इकाई 10- करारोपण का प्रभाव, उत्पादन, वृद्धि, वितरण और संसाधनों के आवंटन पर इकाई 11- करापात एवं कर विवर्तन इकाई 12- परम्परागत, निष्पादन और शून्य आधार बजटिंग खण्ड 4- लोक उद्यम इकाई 13- लोक उद्यमों के प्रकार, महत्व एवं उपयोगिता इकाई 14- लोक उद्यमों की कीमत नीति, प्रबन्धित कीमतें एवं आधिक्य सृजन इकाई 15- लोक उद्यमों का कल्याणकारी प्रभाव एवं चुनौतियाँ खण्ड 5- लोक ऋण इकाई 16- लोक ऋण का अर्थशास्त्र एवं प्रकार इकाई 17- लोक ऋण के प्रभाव एवं भार इकाई 18- लोक ऋण भुगतान की विधियाँ एवं प्रबन्धन खण्ड 6- संघीय वित्त इकाई 19- संघीय वित्त के सिद्धान्त और समस्याऐं इकाई 20- संघीय वित्त का विभाजन एवं कार्यकरण इकाई 21- वित्त आयोग संरचना एवं कार्यकरण इकाई 22- 13वें वित्त आयोग की प्रमुख सिफारिशें खण्ड 7- भारतीय कर प्रणाली इकाई 23- भारत में कर आधार (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर एवं गैर -कर आय) इकाई 24- राज्य और स्थानीय निकाय की आय के स्रोत इकाई 25- संघीय बजट का विश्लेषण एवं सुधार इकाई 26- घाटे की वित्त व्यवस्था एवं घाटे का मौद्रीकरण और राजकोषीय क्षेत्र सुधार
तृतीय प्रश्न-पत्र- अन्तर्राष्ट्रीय विकास (एमएईसी- 107) खण्ड 1- प्रस्तावना एवं सिद्धान्त इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इकाई 2- अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की विश्लेषणात्मक तकनीक इकाई 3- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का विशुद्ध सिद्धांत इकाई 4- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का नव प्रतिष्ठित सिद्धांत इकाई 5- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त खण्ड 2-व्यापार की शर्तें, मुक्त व्यापार, संरक्षण एवं सीमा संघ के सिद्धान्त इकाई 6- व्यापार की शर्तें और आर्थिक संवृद्धि	चतुर्थ प्रश्न-पत्र- कृषि अर्थशास्त्र (एमएईसी- 108) खण्ड 1- परिचय इकाई 1- कृषि अर्थशास्त्र: आशय, प्रकृति और क्षेत्र इकाई 2- आर्थिक विकास में कृषि का महत्व और कृषि-उद्योग सम्बन्ध इकाई 3- कृषि क्षेत्र- आकार, वृद्धि एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ इकई 4- भारत में भूमि सुधार ण्ड 2- सतत् कृषि एवं खाद्य सुरक्षा इकाई 5- हरित क्रान्ति और तकनीकी परिवर्तन इकाई 6- भारतीय कृषि और मशीनीकरण

इकाई 7- मुक्त व्यापार एवं संरक्षण इकाई 8- गैर-टैरिफ व्यापार बाधाएं इकाई 9- राशिपातन और राज्य व्यापार इकाई 10- सीमा संघ के सिद्धान्त खण्ड 3- भुगतान सन्तुलन इकाई 11- भुगतान सन्तुलनः परिभाषा और अवधारणा इकाई 12- विदेशी व्यापार गुणक इकाई 13- भुगतान संतुलन में समायोजन के परम्परागत अवशोषण इकाई 14- मौद्रिक उपागम तथा भुगतान-सन्तुलन में समायोजन इकाई 15- इष्टतम मुद्रा क्षेत्र सिद्धान्त खण्ड 4- विदेशी विनिमय व नियत्रंण सिद्धान्त एवं भारत की व्यापार नीति इकाई 16- विदेशी विनिमय इकाई 17- विनिमय नियत्रंण इकाई 18- विदेशी विनिमय बाजार का सिद्धान्त, विनिमय व्यापार, अन्तर-पणन एवं बाजार हैजिंग इकाई 19- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति सुधार पूर्व काल में इकाई 20- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति सुधार काल में खण्ड 5- अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान इकाई 21- वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता की दशाओं में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इकाई 22- क्षेत्रीय गुट बहुपक्षवाद एवं विश्व व्यापार पद्धति इकाई 23- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष इकाई 24- विश्व व्यापार संगठन इकाई 25- वैश्वीकरण-विनिमय बाजार का विकास, यूरो मुद्रा बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय बॉण्ड बाजार	इकाई 7- बायो तकनीक एवं आर्गेनिक कृषि इकाई 8- खाद्य सुरक्षा खण्ड 3- उत्पादन फलन, सम्बन्ध एवं नियम इकाई 9- कृषि उत्पादन फलन और आगत-निर्गत सम्बन्ध इकाई 10- साधन-साधन सम्बन्ध इकाई 11- उत्पाद-उत्पाद सम्बन्ध इकाई 12- कृषि उत्पादन नियमः परिवर्तनशील एवं अनुपातों का नियम खण्ड 4- कृषि विकास प्रारूप इकाई 13- लेविस का कृषि विकास प्रारुप इकाई 14- फाई-रेनिस का कृषि विकास प्रारुप इकाई 15- मिलर का कृषि विकास प्रारुप इकाई 16- शुल्ज और बोसेरुप का कृषि विकास प्रारुप खण्ड 5- कृषि मूल्य नीति और विपणन इकाई 17- कृषि मूल्य- लागत और मूल्य में सम्बन्ध इकाई 18- कृषि मूल्य नीति,मूल्य और लागत आयोग का स्वरुप एवं भूमिका इकाई 19- कृषि लाभ अधिकतमकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली इकाई 20- कृषि अतिरेक एवं कृषि विपणन व्यवस्था खण्ड 6- कृषि वित्त एवं कृषि प्रबन्धन इकाई 21- कृषि वित्त के प्रकार, चुनौतियाँ, सम्भावनाएं एवं रणनीतियाँ इकाई 22- सहकारी वित्त प्रणाली, नाबार्ड और वैद्यनाथ समिति इकाई 23- वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका, गैर कृषि ग्रामीण वित्त संस्थान इकाई 24- कृषि प्रबन्धन- अवधारणा,क्षेत्र और सिद्धान्त इकाई 25- कृषि प्रबन्धन की वर्तमान प्रवृत्तियाँ एवं कृषि प्रबन्धन की समस्याएं खण्ड 7- कृषि और बाह्य क्षेत्र इकाई 26- कृषि वस्तुओ का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार इकाई 27- विश्व व्यापार संगठन का भारतीय कृषि पर प्रभाव इकाई 28- उदारीकरण का घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय कृषि व्यापार पर प्रभाव इकाई 29- बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका
पांचवां प्रश्न-पत्र- जनांकिकी (एमएईसी- 109) खण्ड 1- परिचय जनांकिकी इकाई 1- जननांकिकी-आशय, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व इकाई 2- माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त इकाई 3- अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त	छठा प्रश्न-पत्र- श्रम अर्थशास्त्र (एमएईसी- 110) खण्ड:-1 श्रम बाजार इकाई 1- श्रम का आशय, अवधारणा,महत्व और विशेषताएं इकाई 2- श्रम अर्थशास्त्र की प्रकृति,क्षेत्र और महत्व इकाई 3- भारतीय श्रम बाजार की विशेषताएं एवं नवीन परिवर्तन

Salim

इकाई 4- जनांकिकी संक्रमण का सिद्धान्त इकाई 5- जनसंख्या वृद्धि के घटक एवं उनकी अन्तर्निर्भरता **खण्ड 2- जनसंख्या की गुणवत्ता और मापन** इकाई 6- जनसंख्या की गुणवत्ता की अवधारणा इकाई 7- जनसंख्या की गुणवत्ता के प्रभावकारी कारक इकाई 8- मापन 1. कुल जन्म-दर,प्रजनन दर, कुल प्रजनन दर, पुर्न उत्पादकीय दर, सकल पुनःउत्पादकीय दर, शुद्ध पुनःउत्पादकीय दर एवं अन्तर्सम्बन्ध इकाई 9- मापन 2 कुल मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर, जीवन-प्रत्याशा एवं अन्तर्सम्बन्ध **खण्ड 3- भारत में जनसंख्या** इकाई 10- भारत में जनसंख्या की विभिन्न वर्षों में प्रवृत्तियाँ इकाई 11- जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग इकाई 12- परिवार नियोजन कार्यक्रम एवं महिला सशक्तीकरण इकाई 13- स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और प्रशिक्षण से सम्बन्धित नीतियाँ **खण्ड 4- विश्व जनसंख्या** इकाई 14- विश्व जनसंख्या की विभिन्न वर्षों में प्रवृत्तियाँ इकाई 15- जनसंख्या विस्फोट-विकसित एवं विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या विस्फोट इकाई 16- विकसित और विकासशील देशां में आयु और लिंग संरचना के प्रतिमान, विभिन्न वर्गों में जनसंख्या पिरामिड इकाई 17- सूचकांक- जीवन गुणवत्ता सूचकांक, मानव विकास सूचकांक, गरीबी सूचकांक एवं लिंग समानता **खण्ड 5- प्रवासन और नगरीकरण** इकाई 18- प्रवासन और नगरीकरण- अवधारणा और प्रारुप इकाई 19- जनसंख्या वृद्धि और उसके प्रतिमान पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के प्रभाव, प्रवासन के प्रभावकारी कारक इकाई 20- आन्तरिक प्रवासन के सिद्धान्त इकाई 21- नगरीकरण- विकसित और विकासशील देशों में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण **खण्ड 6- जनसंख्या प्रक्षेपण एवं मानव संसाधन विकास** इकाई 22- जनसंख्या प्रक्षेपण इकाई 23- जीवन सारणी, जन्म-मृत्यु सांख्यिकी एवं लाजिस्टिक वक्र इकाई 24- मानव संसाधन विकास इकाई 25- जनसंख्या एवं आर्थिक विकास	इकाई 4- आर्थिक विकास में श्रम की भूमिका लेविस और फाई रेनिस प्रारुप **खण्ड:-2 रोजगार** इकाई 5- रोजगार और विकास में सम्बन्ध विकासशील देशो में गरीबी और बेरोजगारी विशेषकर भारत के सन्दर्भ में। इकाई 6- संगठित क्षेत्र में रोजगार पर तकनीकी परिवर्तन और आधुनिकीकरण का प्रभाव इकाई 7- शिक्षित बेरोजगारी का विश्लेषण, बेरोजगारी नीति, पंचवर्षीय योजनाएं **खण्ड:-3 मजदूरी निर्धारण** इकाई 8- मजदूरी दर निर्धारण का सिद्धान्त इकाई 9- मजदूरी भुगतान की विधियाँ न्यूनतम मजदूरी,जीवन निर्वाह मजदूरी उचित मजदूरी आदि इकाई 10- विभिन्न क्षेत्रों में मजदूरी निर्धारण ग्रामीण, शहरी, संगठित, असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्र इकाई 11- मजदूरी की लागत और उत्पादकता में सम्बन्ध **खण्ड:-4 श्रम आन्दोलन, विधान एवं समस्या** इकाई 12- श्रम आन्दोलन के सिद्धान्त वृद्धि प्रतिमान और श्रम की संरचना इकाई 13- भारत में श्रम विधान एवं श्रम कल्याण से संबंधित राज्य की नीतियाँ इकाई 14- श्रम एवं राज्य की सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा ,उद्विकास , सामाजिक एसिस्टेन्स और सामाजिक बीमा इकाई 15- श्रम की विशिष्ट समस्याएं , बालश्रम , श्रम के निराकरण में लिंग आधारित भेदभाव **खण्ड:-5 प्रव्रजन एवं अन्यत्र वासिता** इकाई 16- श्रम प्रव्रजन के दृष्टिकोण,प्रव्रजन के प्रभाव इकाई 17- भारत में औद्योगिक श्रम की अनुपस्थिति के कारण, प्रभाव और अनुपस्थिति के उपाय इकाई 18- श्रम उत्पादकता ,निम्न श्रम उत्पादकता के कारण , श्रम उत्पादकता में सुधार के उपाय इकाई 19- भारत में श्रम संघों की वृद्धि, प्रतिमान, संरचना और उपलब्धियाँ इकाई 20- औद्योगिक विवाद के कारण, निवारण एवं बचाव यान्त्रिकी **खण्ड:-6 श्रम बाजार सुधार** इकाई 21- श्रम बाजार मापन, लोचशीलता और सुझाव इकाई 22- निर्गम नीति एवं द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग इकाई 23- वैश्वीकरण और श्रम बाजार **खण्ड:-7 भारत मे श्रम और राज्य**

	इकाई 24- भारत में राष्ट्रीय मजदूरी नीति इकाई 25- भारत में रोजगार सेवा संगठन इकाई 26- भारत में मजदूरी और मजदूरी बोर्ड, लाभ शेयर धारिता और बोनस प्रणाली इकाई 27- भारत श्रम कानून एवं अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
सातवाँ प्रश्न-पत्र- औद्योगिक अर्थशास्त्र (एमएईसी- 111) **खण्ड 1- परिचय** इकाई 1- औद्योगिक अर्थशास्त्र का आशय, क्षेत्र और आवश्यकता इकाई 2- औद्योगिक संगठनः निजी क्षेत्र- बड़े, मध्य, लघु एवं ग्रामोद्योग इकाई 3- सार्वजनिक क्षेत्र: निष्पादन, भूमिका और समस्याएं इकाई 4- विनिवेशः अर्थ नीतियाँ एवं मूल्यांकन इकाई 5- औद्योगिक एकीकरण एवं गठजोड़ कारण, विलय और समामेलन, औद्योगिक एकीकरण के प्रभाव **खण्ड 2- फर्म की मूल्यनीति और सिद्धान्त** इकाई 6- उत्पाद कीमतें-सिद्धान्त और साक्ष्य इकाई 7- निवेश व्यय, मूल्यांकन की पद्धतियाँ, सिद्धान्त, आनुभविक साक्ष्य और विलय एवं अधिग्रहण इकाई 8- फर्म की वृद्धि और फर्म के आकार की वृद्धि, लाभदेयता इकाई 9- फर्म की क्षमता, उत्पादकता और धारणीय क्षमता **खण्ड 3- औद्योगिक स्थानीयकरण** इकाई 10- औद्योगिक स्थानीयकरण के प्रभावकारी कारक इकाई 11- औद्योगिक स्थानीयकरण के सिद्धान्त- वेबर, सार्जेण्ट फ्लोरेन्स इकाई 12- औद्योगिक असन्तुलन कारण और मापन इकाई 13- उद्योगो के सन्तुलित क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यकताएं **खण्ड 4- औद्योगिक उत्पादकता और क्षमता** इकाई 14- उत्पादकता- मापदण्ड और मापन इकाई 15- उत्पादकता और क्षमता उपयोग के प्रभावकारी कारक इकाई 16- प्रतिस्पर्द्धा के वातावरण में उत्पादकता का महत्व इकाई 17- उत्पादकता और क्षमता उन्नयन के लिए आवश्यकताएं **खण्ड 5- औद्योगिक वित्त** इकाई 18- औद्योगिक वित्त इकाई 19- औद्योगिक वित्त के स्रोत इकाई 20- विदेशी पूँजी और निवेश **खण्ड 6- औद्योगिक श्रम**	**आठवाँ प्रश्न-पत्र- पर्यावरण अर्थशास्त्र (एमएईसी- 112)** **खण्ड 1- परिचय** इकाई 1- पर्यावरण अर्थशास्त्रः अर्थ, क्षेत्र एवं कारक इकाई 2- पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था में सम्बन्ध और आर्थिक पद्धतियाँ इकाई 3- पर्यावरण एवं विभिन्न क्षेत्रों में अन्तर्सम्बन्धः ऊर्जा, कृषि, उद्योग एवं सेवा इकाई 4- पर्यावरण का मानवीय गतिविधियों पर प्रभाव **खण्ड 2- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्त एवं सतत् विकास** इकाई 5- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के मूल सिद्धान्तः बाजार असफलता का आशय, वाह्यताएं एवं वाह्यताओं के प्रकार इकाई 6- पारिस्थितकी एवं अर्थशास्त्र इकाई 7- गैर नवीनकरणीय संसाधनों का क्षरण एवं निशेष संसाधनों का अर्थशास्त्र इकाई 8- वानिकी एवं सतत् विकास **खण्ड 3- प्राकृतिक संसाधन एवं मूल्यांकन** इकाई 9- प्राकृतिक संसाधनः प्रकार एवं वर्गीकरण इकाई 10- संसाधन मूल्यांकन का प्रबंधन इकाई 11- जल गुणवत्ता के मुद्दे, पुर्नचक्रण एवं जल प्रबंधन, आर्थिक सवृद्धि की पर्यावरणीय लागत इकाई 12- पारिस्थितक तंत्र एवं पारिस्थितकी आर्थिक निहितार्थ और जैव विविधता एवं संरक्षित क्षेत्र इकाई 13- पर्यावरण प्रदूषण कारण एवं प्रकार प्रदूषण के उपाय **खण्ड 4- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबन्धन** इकाई 14- पर्यावरण संरक्षणः अवधारणा, रणनीतियाँ एवं नीतियाँ इकाई 15- जनसंख्या एवं नगरीकरणः इसके प्रभाव और उपाय इकाई 16- कार्बन कर एवं कार्बन उत्सर्जन व्यापार और पीगू कर एवं पर्यावरण नियमन इकाई 17- क्योटो प्रोटोकाल एवं कोपेनहेगन समझौता और सम्मेलन इकाई 18- विश्व व्यापार संगठन के समय में व्यापार एवं पर्यावरण **खण्ड 5- भारत में पर्यावरण आन्दोलन एवं नीतियाँ** इकाई 19- भारत में पर्यावरणीय एवं पारिस्थितकीय आन्दोलन चिपको, टिहरी, नर्मदा इत्यादि

इकाई 21- औद्योगिक श्रम की संरचना इकाई 22- भारतीय उद्योगों के रोजगार आयाम, विधायन औद्योगिक सम्बन्ध और औद्योगिक विवाद इकाई 23- निर्गमन नीति, सामाजिक सुरक्षा, मजदूरी और बोनस की समस्याएं इकाई 24- श्रम बाजार सुधार **खण्ड 7- भारतीय औद्योगिक विकास** इकाई 25- औद्योगिक नीति 1948, 1956 एवं 1977 की संक्षिप्त रूपरेखा इकाई 26-औद्योगिक नीति 1991, औद्योगिक संवृद्धि की प्रवृत्ति इकाई 27- भारत में लघु एवं कुटीर औद्योगिक क्षेत्र का निष्पादन एवं समस्या और नवीन रणनीतियाँ इकाई 28- भारत में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका	इकाई 20- पर्यावरण नीति की रूपरेखा-1 लक्ष्य एवं साधन वन नीतियाँ, पुनर्वास, मलिन बस्ती सुधार नीति इकाई 21- पर्यावरण नीति की रूपरेखा-2 संरक्षित क्षेत्र विकास नीति, राष्ट्रीय आपदा शमन नीति, जैव विविधता विकास नीति जलवायु परिवर्तन नीति इत्यादि इकाई 22- भूमि प्रयोग, पर्यावरण एवं विकास **खण्ड 6- पर्यावरण नीति सुधार एवं सामाजिक आयाम** इकाई 23- पर्यावरण नीति सुधार आवश्यकता एवं रूपरेखा और भारत में पर्यावरण नियमन इकाई 24- आर्थिक संवृद्धि एवं पर्यावरण नीतियाँ और पर्यावरण की राजनीतिक अर्थव्यवस्था इकाई 25- सामाजिक आयाम एवं पर्यावरण नीतियाँ इकाई 26- पर्यावरण संरक्षण नीति, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन
नौवां प्रश्न-पत्र- सामाजिक अनुसंधान (एमएईसी- 113) **खण्ड 1- परिचय** इकाई 1- सामाजिक शोधः आशय, परिभाषा, उद्देश्य इकाई 2- सामाजिक शोधः प्रकार एवं वर्गीकरण इकाई 3- वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति इकाई 4- सामाजिक अनुसंधान प्रारूप **खण्ड 2- अनुसंधान प्रविधि** इकाई 5- अवलोकनात्मक प्रविधि इकाई 6- वैयक्तिक अध्ययन इकाई 7- ग्रामीण सहभागी आकंलन इकाई 8- सामाजिक सर्वेक्षण **खण्ड 3- आँकड़ों का एकत्रीकरण** इकाई 9- उपकल्पना प्रारूप इकाई 10- निदेर्शन इकाई 11- अनुसूची इकाई 12- प्रश्नावली इकाई 13- साक्षात्कार **खण्ड 4- आँकड़ों के संकलन एवं प्रस्तुतीकरण** इकाई 14- आँकड़ों का सम्पादन एवं वर्गीकरण इकाई 15- आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-बिन्दुरेखीय इकाई 16- आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-आफीय इकाई 17- अनुसंधान प्रतिवेदन **खण्ड 5- सांख्यिकीय विधियाँ 1** इकाई 18- केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें इकाई 19- अपकिरण तथा उसकी मापें इकाई 20- विषमता	**दसवां प्रश्न-पत्र- प्रोजेक्ट कार्य एवं मौखिकी (एमएईसी- 112)**

इकाई 21- परिघात तथा पृथुशीर्षत्व खण्ड 6- सांख्यिकीय विधियाँ 2 इकाई 22- प्रतीपगमन विश्लेषण इकाई 23- सहसम्बन्ध विश्लेषण इकाई 24- अन्तरगणन एवं बाह्यगणन इकाई 25- आँकड़ों का टी-टेस्ट, एफ-टेस्ट परीक्षण इकाई 26- आँकड़ों का काई वर्ग परीक्षण	

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)- अर्थशास्त्र विषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रिया है। स्नात्कोत्तर स्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नात्कोत्तर स्तर पर, प्रथम वर्ष मे 3750 व द्वितीय वर्ष मे 4050 रुपये का शुल्क लिया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क मांफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the Laboratory Support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन केंद्र मे भी पुस्तकालय की उपलब्धता है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the Programme and the provisions)- अर्थशास्त्र विषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु प्रत्येक इकाई में 10 हजार रूपये की लागत से लगभग 36 लाख 30 हजार रूपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।